राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस | लखनऊ औद्योगिक गढ़ भी बनता जा रहा, तालकटोरा, चिनहट, सरोजनीनगर आदि में करीब 1500 इकाइयां

छोटे उद्योगों से बड़े सपने साकार करने में जुटे युवा कारोबारी

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। लखनऊ की तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब राजनीतिक गढ़ के साथ-साथ लखनऊ धीरे-धीरे औद्योगिक गढ़ भी बनता जा रहा है। लखनऊ के युवा कारोबारी अपने सपनों को साकार करने में जुटे हैं। लघु उद्योगों ने बड़ी पहचान बनाई है और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तालकटोरा, चिनहट, सरोजनीनगर, नादरगंज सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 1500 इकाईयां है। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों में पांच हजार छोटी-छोटी इकाईयां खोलकर युवा आत्मनिर्भर भारत निर्माण में अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं।

15 लाख लोन लेकर शुरू किया खुद का उद्योग

इंदिरानगर निवासी हिमांशु रावत एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। हर महीने 24 हजार रुपये वेतन मिलता था। वर्ष 2021 में नौकरी से इस्तीफा देकर बैंक से 15 लाख रुपये लोन लेकर सोलर इंस्टॉलेशन कंपनी की नींव डाली। साथ ही आईआईए (इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन) के साथ जुड़कर हर साल करीब 08-10 करोड़ रुपये का टर्न ओवर है। उनके साथ करीब 40 युवा काम कर रहे हैं।

लघु उद्योगों की दिक्कतें और सरकारी प्रोत्साहन:

लखनऊ के लघु उद्योगों को वित्तीय और प्रशासनिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरकारी प्रोत्साहन और समर्थन से इन समस्याओं का समाधान हो सकता है। आईआईए लखनऊ चैप्टर के चेयरमैन विकास खन्ना ने बताया कि लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। समय-समय पर सेमिनार और एग्जीबिशन आयोजित किया जाता है। साथ ही उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई है जहां उद्यमी संपर्क करके सवाल पूछ सकते और समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

नौकरी छोड़ पैकेजिंग का काम शुरू किया

सोनल प्राइवेट कंपनी में काम करती थीं लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने नौकरी से इस्तीफा देकर सरोजनीनगर इंडस्ट्रियल एरिया में पैकेजिंग यूनिट खोली। शुरूआत में कई चुनौतियां थी, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलती गई। वर्तमान में 17 लोगों को काम दे रही है।

लखनऊ में बदलता ट्रेंड

लखनऊ में पिछले सालों में कई नए लघु उद्योग स्थापित हुए हैं। इन उद्योगों ने रोजगार और आर्थिक विकास में योगदान दिया है। लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीतियों और समर्थन की आवश्यकता है। लखनऊ में लघु उद्योगों का बदलता ट्रेंड देखा जा रहा है। डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और स्टार्टअप ईको-सिस्टम में विकास हो रहा है। बदलावों के साथ तालमेल बैठाना होगा।

संगठन संस्थाएं सक्रिय

लघु उद्योग भारती के उपाध्यक्ष रितेश श्रीवास्तव ने कहा कि लघु उद्योगों को समर्थन देने से आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। लघु उद्योग भारती, इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन (आईआईए), सीमा सहित अन्य संगठन लखनऊ में काम कर रहे हैं।